विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 7 से 13 मई 2026 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 50 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

संशोधित पेंशन योजना अब वैकल्पिक,बड़ी राहत

महाराष्ट्र सरकार का फैसला, वित्त विभाग ने जारी किया आदेश

विदर्भ स्वाभिमान,6 मई

नई दिल्ली- पेंशन को लेकर राज्य सरकार के कर्मियों द्वारा लंबे समय से आंदोलन किया जा रहा है. संशोधित पेंशन योजना को अब राज्य सरकार ने वैकल्पिक कर दिया है. इस बारे में आदेश राज्य सरकार के वित्त विभाग द्वारा जारी किया गया है.

राज्य सरकार ने मौजूदा राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली एनपीएस के तहत आने वाले कर्मचारियों के संशोधति एनपीएस को वैकल्पिक कर दिया है. राज्य के वित्त विभाग द्वारा बुधवार को जारी परिपत्र में यह जानकारी दी गई है. इस मामले में विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय के भीतर जो विकल्प को मंजूरी देते हैं, ऐसे ही कर्मचारियों को यह सुविधा लागू होगी.

सरकार ने पहले पात्र और इच्छुक कर्मचारियों को 31 दिसंबर 2026 तक संशोधति योजना में शामिल होने का किल्प देने की अनुमति दी थी. राज्य मंत्रिमंडल ने कुछ वर्ष पहले केन्द्र की एकीकृत पें शन योजना के अनुरूप राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए संशोधति एनपीएस लागू करने की मंजूरी दी थी. राज्य सरकार के कर्मियों द्वारा पिछले कई वर्षों से पेंशन को लेकर कई आंदोलन किए जा चुके हैं.

अंतिम वेतन का 50फीसदी पेंशन

राज्य के वित्त विभाग द्वारा बुधवार को जारी नए परिपत्र के अनुसार, निर्धारित आयु में सेवानिवृत्त होने वाले और 20 वर्ष या उससे अधिक सेवा पूरी कर चुके तथा संशोधित योजना का चयन करने वाले कर्मचारियों को अंतिम वेतन का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में मिलेगा, साथ ही महंगाई भत्ता भी दिया जाएगा. 10 से 20 वर्ष की सेवा वाले कर्मचारियों के लिए पेंशन अंतिम वेतन के आधार और सेवा अवधि के अनुपात में तय की जाएगी. कम से कम 10 वर्ष की सेवा के बाद सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के लिए न्यूनतम पेंशन 7,500 रुपए प्रति माह तय की है. 10 वर्ष से कम सेवा देने वाले कर्मचारी पेंशन लाभ के पात्र नहीं होंगे. राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश में सभी बातें स्पष्ट की गई हैं. राज्य मंत्रिमंडल ने कुछ वर्ष पहले केंद्र क एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के अनुरू राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए संशोधि एनपीएस लागू करने को मंजूरी दी थी.राज्य सरकार के फैसले से कर्मचारियों में खुशी देखी जा रही है.

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

ज़ीवन में कई बार हमारे विचार कुछ लोग बदल देते हैं. लेकिन कुछ लोग विचार तो महान बताते हैं लेकिन ऐसे लोगों के चरित्र, चाल और आचरण में फर्क पड़ता है. दुनिया को हम बेवकूफ बना सकते हैं लेकिन हमारी अंतर्रात्मा हमारे साथ रहती है. जीवन में ऐसे लोगों को सम्मान देने का प्रयास करना चाहिए. जीवन में जितना संभव हो सके सदा दूसरों को प्रयास करने तथा उसका सम्मान देने का काम करना.

भारत में 50 हजार जवानों की ड्रोन फोर्स

विदर्भ स्वाभिमान,6 मई

नई दिल्ली- ऑपरेशन सिंदूर और रूस-यूक्रेन तथा अमेरिका-ईरान के बीच हुए युद्ध को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा नई आदर्श पहल की गई है. इसके तहत भारत में पहली बार पचास हजार जवानों की अलग ड्रोन फोर्स बनाई गई है. इस फोर्स के लिए पचास हजार सैनिकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा. यह बल किसी भी सैन्य कार्रवलाई में पहली जवाबी कार्रवाई के तौर पर तैनात की जाएगी. इसे डेटा और काग्नटिव फोर्स का तकनीकी समर्थन होगा.

एकीकृत रक्षा मुख्यालय के अनुसार इस फोर्स के लिए पचास हजार जवानों को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा. अगले तीन साल में 15 नए सें टर ऑफ एक्सलंस बनाए जाएंगे. इस बल के गठन से देश की सेनाएँ और अधिक मजबूत होंगी.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

अवैध रेत तस्करी के खिलाफ प्रशासन कठोर

जिला प्रशासन द्वारा अवैध रेती तस्करी के खिलाफ कार्रवाई तेज की गई है. अपराध शाखा तथा पुलिस द्वारा भी इस मामले में कार्रवाई की जा रही है, इससे अवैध धंधे वालों में भय के साथ खलबली मची है. जिला राजस्व विभाग द्वारा अवैध रेती तस्करी के साथ गौण खनिज के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है. इस मामले में सोचने वाली बात है कि राजस्व महकमे की छिपी मित्रता के बगैर यहां पर अवैध रेत तस्करी करना संभव नहीं है. जिले में बार-बार राजस्व विभाग द्वारा कार्रवाई करने से यह स्थिति और भी हैरत वाली बन गई है.

अवैध रेत तस्करी पर होने वाली कार्रवाई अक्सर खबर बनती है, लेकिन सवाल यह है कि क्या ये कार्रवाइयाँ समस्या का स्थायी समाधान हैं या केवल तात्कालिक दबाव की प्रतिक्रिया. तिवसा में अपराध शाखा और पुलिस द्वारा अवैध रेती तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की गई. ग्रामीण क्षेत्रों में भी पिछले कुछ समय से बड़े पैमाने पर रेत उत्खनन और अवैध ढुलाई हो रही है. राजस्व विभाग की जिम्मेदारी इस पर नजर रखने की रहने के बाद भी जितनी सक्रियता विभाग की होनी चाहिए, वह नहीं दिखाई दे रही है. गरीबों को रेती महंगी कीमत पर मिल रही है, वहीं अमीरों के लिए यह सहज हो गई है. रेत तस्करी आज ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में एक गंभीर चुनौती बन चुकी है. नदियों से अनियंत्रित उत्खनन न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुँचा रहा है, बल्कि भूजल स्तर, जैव विविधता और नदी के प्राकृतिक प्रवाह को भी प्रभावित कर रहा है. इसके बावजूद तस्करी का सिलसिला जारी रहना यह संकेत देता है कि कहीं न कहीं व्यवस्था में ढिलाई या मिलीभगत मौजूद है.

हाल ही में प्रशासन द्वारा की गई छापेमारी और वाहनों की जब्ती निश्चित रूप से सराहनीय कदम है. इससे अवैध कारोबारियों में भय का माहौल बनता है और कानून का संदेश भी जाता है. लेकिन यह भी उतना ही सच है कि ऐसी कार्रवाइयाँ प्रायः अस्थायी साबित होती हैं. कुछ दिनों की सख्ती के बाद फिर वही ढर्रा शुरू हो जाता है.समस्या की जड़ तक पहुँचना जरूरी है. सबसे पहले, रेत उत्खनन और परिवहन की पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और तकनीक-आधारित बनाना होगा. जीपीएस ट्रैकिंग, ऑनलाइन परमिट सिस्टम और रीयल-टाइम मॉनिटरिंग जैसे उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करना समय की मांग है. साथ ही, स्थानीय स्तर पर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए. चांदूर बाजार के साथ विभिन्न तहसीलों में भी अवैध रेती तस्करी जारी है. तिवसा तहसील में भी पुलिस के साथ राजस्व विभाग द्वारा कार्रवाई की जा रही है. दूसरा महत्वपूर्ण पहलू जनभागीदारी का है. जब तक स्थानीय नागरिक, ग्राम पंचायतें और सामाजिक संगठन इस मुद्दे पर जागरूक होकर आवाज नहीं उठाएंगे, तब तक प्रशासन अकेले इस समस्या पर नियंत्रण नहीं पा सकता.अवैध रेत तस्करी के खिलाफ कार्रवाई केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जड़ा प्रश्न है. जरूरत है निरंतर, कठोर और पारदर्शी कदमों की ताकि नदियाँ बचें, पर्यावरण सुरक्षित रहे और कानून का राज स्थापित हो सके.जिले में राजस्व विभाग को सक्रिय होकर यदि ईमानदारी से कार्रवाई करे तो निश्चित तौर पर रेत तस्करी की किसी की हिम्मत नहीं हो सकती है. लेकिन यह भी तय है कि भ्रष्ट प्रशासन द्वारा साथ देने से ही तस्करी संभव होना तय है.

राष्ट्र से बड़ा कुछ नहीं हो सकता है

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

कई बार मन में सवाल पैदा होता है कि राष्ट्र बड़ा है या धर्म. इस विषय पर मत-मतांतर हो सकता है. लेकिन इतना तय है कि राष्ट्र अगर सुरक्षित है तो वहां का हर नागरिक सुरक्षित होता है और जब सुरक्षा के साथ स्वतंत्रता रहती है तो धर्म भी सुरक्षित रहता है. वर्ना कई ऐसे उदाहरण है कि एक व्यक्ति बदलने पर किस तरह से सब कुछ बदल जाता है. पश्चिम बंगाल के नतीजे की बात हो अथवा बांग्लादेश में कुछ महीने पहले हुई घटनाएं हो, केवल सरकार और सोच बदलने के बाद किस तरह से अच्छे खासे लोगों की घिघ्घी बंध गयी. विश्व में उन्हीं देशों ने प्रगती की है, जिन देशों में लोगों की नजर में देश प्रथम रहता है, वह देश ही प्रगति मैं सबसे आगे रहते हैं. इजराईल, जापान, अमेरिका जैसा देश इसका उदाहरण है. लेकिन जिन देशों में लोगों द्वारा देश की बजाय स्वयं को अथवा अपने धर्म को अधिक महत्व दिया जाता है, वहां खाने के लाले पड़े हैं, ऐसे देशों में बांग्लादेश, पाकिस्तान सहित अन्य देशों की हालत देखकर ऐसा अंदाज लगाया जा सकता है.

वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि देशभक्ति, स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र सम्मान का प्रतीक है. इसके अपमान को लेकर देश में समय-समय पर कड़े कानून बनाने और सख्त कार्रवाई की मांग उठती रही है.

यदि किसी व्यक्ति द्वारा जानबूझकर राष्ट्रगीत, राष्ट्रध्वज या राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान किया जाता है, तो भारतीय कानून के अंतर्गत उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई हो सकती है. कई मामलों में जुर्माना, गिरफ्तारी अथवा जेल की सजा का भी प्रावधान लागू किया जाता है.राष्ट्र सम्मान केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य भी है. देशभक्ति का अर्थ केवल नारे लगाना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय प्रतीकों का आदर करना और समाज में एकता, सद्भाव तथा संविधान के प्रति सम्मान बनाए रखना है.

वंदे मातरम की गूंज ने स्वतंत्रता आंदोलन में लाखों देशवासियों को प्रेरणा दी थी. इसलिए इसका सम्मान करना हर भारतीय का गौरव और जिम्मेदारी दोनों है.पिछले कुछ वर्षों के दौरान समाज में एक वर्ग विशेष द्वारा धर्म को राष्ट्र से अधिक मानने वाली मानसिकता के कारण जहां राष्ट्र प्रेम को खतरा पैदा होता है, वहीं दूसरी ओर अन्यों में गलत संदेश जाता है. इस बारे में भारत सरकार द्वारा जिस तरह का कदम उठाया गया है, वह निश्चित ही सराहनीय है. वर्तमान में यह स्थिति समझना अत्याधिक जरूरी है कि राष्ट्र अगर सुरक्षित है तो ही देश में शांति और व्यवस्था बरकरार रखी जा सकती है. जापान जैसा देश अपने नागरिकों के बलबूते आगे है.

संवेदनशील,आदर्श पूर्व नगर सेविका

सौ.सुनंदाताई खरड के जन्मदिन 5 मई पर विशेष, करोड़ों के विकास काम करवाने में रही थी सफल

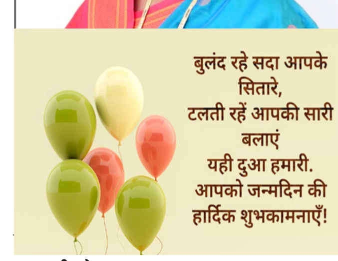

समाज में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जो पद पर रहते हुए ही नहीं बल्कि पद से मक्त होने के बाद भी लोगों के दिलों में अपनी अलग पहचान बनाए रखते हैं. एक संवेदनशील एवं आदर्श पूर्व नगर सेविका क़े रूप में सौ. सुनंदाताई विनोदराव खरड का व्यक्तित्व भी ऐसा ही है, जो सेवा, समर्पण और जनकल्याण की भावना से ओतप्रोत रहता है. उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन जाता है.

नगर सेविका रहते समय गड़गड़ेश्वर प्रभाग में करोड़ों रूपए का काम करने के साथ ही नाली की सफाई के दौरान वहां खड़ी रहकर काम करवाने वाली संभवतः वह महानगर की पहली नगर सेविका थीं . उनके स्वभाव के साथ ही उनकी समझदारी और संवेदनशीलता किसी को भी प्रभावित करती है. हनुमान युवक मंडल द्वारा जन्मदिन पर मंदिर में सत्कार किया गया. भावुक इतनी हैं कि कई बार बोलते-बोलते आंखों से आंसू आ जाते हैं. भावुक लोग दगाबाज कभी नहीं होते हैं. यह उन्हें देखकर सीना तानकर कहा जा सकता है. पूर्व नगर सेविका केवल राजनीति तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि वे समाज की हर समस्या को अपनी जिम्मेदारी समझती हैं. गरीब, असहाय, महिलाओं, वृद्धों और बच्चों के प्रति बनाती है.

वे जनता की समस्याओं को सनकर केवल आश्वासन नहीं देतीं, बल्कि उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास करती हैं. यही गुण उन्हें आम जनमानस के बीच लोकप्रिय बनाता है.एक आदर्श पूर्व नगर सेविका का व्यक्तित्व सरलता, विनम्रता और आत्मीयता से भरा होता है. वे लोगों से सहजता से जुड़ती हैं और हर व्यक्ति को सम्मान देती हैं. समाज के विकास के लिए स्वच्छता अभियान, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सामाजिक जागरूकता जैसे कार्यों में उनकी सक्रिय भागीदारी समाज को नई दिशा देती है.उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह होती है कि वे सत्ता को सेवा का माध्यम मानती हैं. पद समाप्त होने के बाद भी उनका जनसंपर्क और सेवा कार्य निरंतर जारी रहता है. किसी जरूरतमंद की सहायता करना, संकट के समय लोगों के साथ खड़े रहना और समाज में भाईचारे का वातावरण बनाना उनके जीवन का उद्देश्य बन जाता है.

घर में सास की बजाय मां की भूमिका बेहतरीन तरीके से निभाती हैं. दोनों ही बहुओं को अपनी पुत्री समान रखने के साथ ही आज भी सेवा कार्य में सदा अग्रणी रहती हैं. वे केवल विकास कार्यों तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि संस्कार, नैतिकता और सामाजिक मूल्यों को भी बढ़ावा देती हैं. यही कारण है कि लोग उन्हें केवल नेता नहीं बल्कि परिवार के सदस्य जैसा सम्मान देते हैं.आज समाज को ऐसे ही संवेदनशील, ईमानदार और सेवाभावी नेतृत्व की आवश्यकता है, जो राजनीति को जनसेवा का माध्यम बनाकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने का कार्य करे. एक आदर्श पूर्व नगर सेविका सुनंदाताई खरड का व्यक्तित्व वास्तव में समाज के लिए प्रेरणा, विश्वास और सेवा का जीवंत उदाहरण होता है.5 मई को उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010/ 43881

अमरावती सहित विदर्भ का मौसम कर रहा है हैरान, किसान परेशान

विदर्भ स्वाभिमान,6 मई

नई दिल्ली/अमरावती-मौसम का बदलता रूप लोगों के लिए चिंता के साथ ही आगामी पीढ़ियों के लिए खतरनाक संकेत भी दे रहा है. कभी धूप, कभी बादल, कभी तेज आंधी और बेमौसमी बारिश ने विदर्भ को पंद्रह दिनों से त्रस्त कर रहा है. तेज आंधी और तूफान के कारण कई पोल जहां गिर गए, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में पेड़ गिरकर सैकड़ों गरीबों के घर के छप्पर भी उड़ने के कारण कईयों पर आसमान के नीचे रहने की नौबत आ गई है. मौसम का यह बदलता रूप खतरनाक संकेत भी दे रहा है. पेड़ों की तेजी से जारी कटाई के कारण जहां गर्मी बढ रही है, वहीं दूसरी ओर पर्यावरण का तंत्र भी बिगड़ने की जानकारी मौसम विशेषज्ञ प्रा.अनिल बंड ने दिया. उनके मुताबिक लोगों को समय रहते प्रकृति को संवारने की दिशा में गंभीर होना चाहिए.

इन दिनों मौसम का लगातार बदलता मिजाज आम जनजीवन के लिए परेशानी का कारण बनता जा रहा है. कभी तेज धूप और गर्मी लोगों को बेहाल कर रही है, तो कभी अचानक बादल छाने और हल्की बारिश से मौसम करवट ले रहा है. इस उतार-चढ़ाव ने लोगों की दिनचर्या को प्रभावित कर दिया है.दिन में बढ़ते तापमान से गर्मी का प्रकोप महसूस हो रहा है, वहीं शाम होते-होते तेज हवाएं और बादलों की आवाजाही मौसम को अनिश्चित बना रही है. इस बदलाव का असर सबसे अधिक बच्चों, बुजुर्गों और किसानों पर पड़ रहा है. बदलते मौसम के कारण सर्दी, खांसी और वायरल जैसी बीमारियों के मामले भी बढ़ने लगे हैं.

किसानों के लिए भी यह मौसम चिंता का विषय बना हुआ है. अचानक बारिश और तेज हवाओं से फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है. मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है.मौसम का यह खेल कब तक जारी रहेगा, यह कहना मुश्किल है, लेकिन इतना तय है कि प्रकृति के इस बदलते स्वरूप ने हर किसी को परेशान कर रखा है. अमरावती के साथ ही विदर्भ में भी मौसम में तेजी बदलाव आ रहा है, यह गंभीर संकेत कहा जा सकता है.

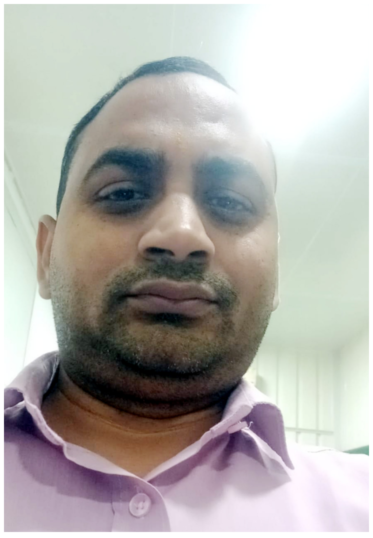

परिवार होता है खुशियों का भंडार-राजेश दुबे

विदर्भ स्वाभिमान,6 मई

प्रतापगढ़- जीवन बहुत छोटा है इसलिए जितना संभव हो, जीवन में खुशियां बांटते रहें, प्राप्त करते रहें. जीवन में परिवार से बड़ा खुशी का आधार दूसरा नहीं हो सकता है. जिस परिवार में एकता होती है, भाईयों में प्रभु श्रीराम-लक्ष्मण-भरत-शत्रुघ्न जैसा प्रेम होता है, वहां जीवन में खुशियां ही होती है. इसके लिए दिल साफ और मन निर्मल होने की शर्त होती है. दिल से आप किसी को प्रेम देते हैं तो उसका रिफ्लेक्शन सदा वैसा ही होता है. इस आशय का मत फार्मा कंपनी में क्वालिटी मैनेजर के पद पर कार्यरत राजेश कुमार दुबे ने किया. बचपन से ही अत्याधिक मेहनती, माता-पिता के भक्त तथा संयुक्त परिवार को महत्व देने वाले राजेश ने अपनी मेहनत, लगन से यह कामयाबी हासिल की.

उच्च विचार और आदर्शों के साथ ही छोटे भाई सर्वेश के साथ श्रीराम जैसा प्रेम करने वाले और परिवार को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले राजेश दुबे के मुताबिक संयुक्त परिवार में बच्चों को दादा-दादी और माता-पिता से संस्कार मिलते हैं, वहीं बुजुर्गों को सम्मान और अपनापन मिलता है. परिवार के हर सदस्य का साथ जीवन की कठिनाइयों को आसान बना देता है. जब घर में कई हाथ साथ होते हैं, तो जिम्मेदारियां भी बंट जाती हैं और मन का बोझ हल्का हो जाता है.आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जहां लोग अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं, वहां संयुक्त परिवार मानसिक शांति और भावनात्मक सुरक्षा प्रदान करता है. परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम, त्याग, समर्पण और विश्वास का भाव रिश्तों को मजबूत बनाता है.संयुक्त परिवार हमें यह सिखाता है कि खुशियां धन-दौलत से नहीं, बल्कि अपनेपन और साथ से मिलती हैं. जिस घर में परिवार एकजुट होता है, वहां हर दिन उत्सव जैसा लगता है.इसलिए कहा जा सकता है कि संयुक्त परिवार सचमुच खुशियों का आधार है, जो जीवन को प्रेम, सुरक्षा और आनंद से भर देता है.

जीवन में धन-दौलत जीवन तक रहते हैं लेकिन इसका नियंत्रण प्रभु के हाथ में होता है. जो व्यक्ति परिवार का नहीं हो सकता है, वह दुनिया में किसी का नहीं हो सकता है. संयुक्त परिवार में जब सभी में स्वार्थ रहित प्रेम होता है तो सभी एक-दूसरे का दर्द बिना बोले समझ जाते हैं. घर में राजेश के साथ ही सत्यप्रकाश दुबे

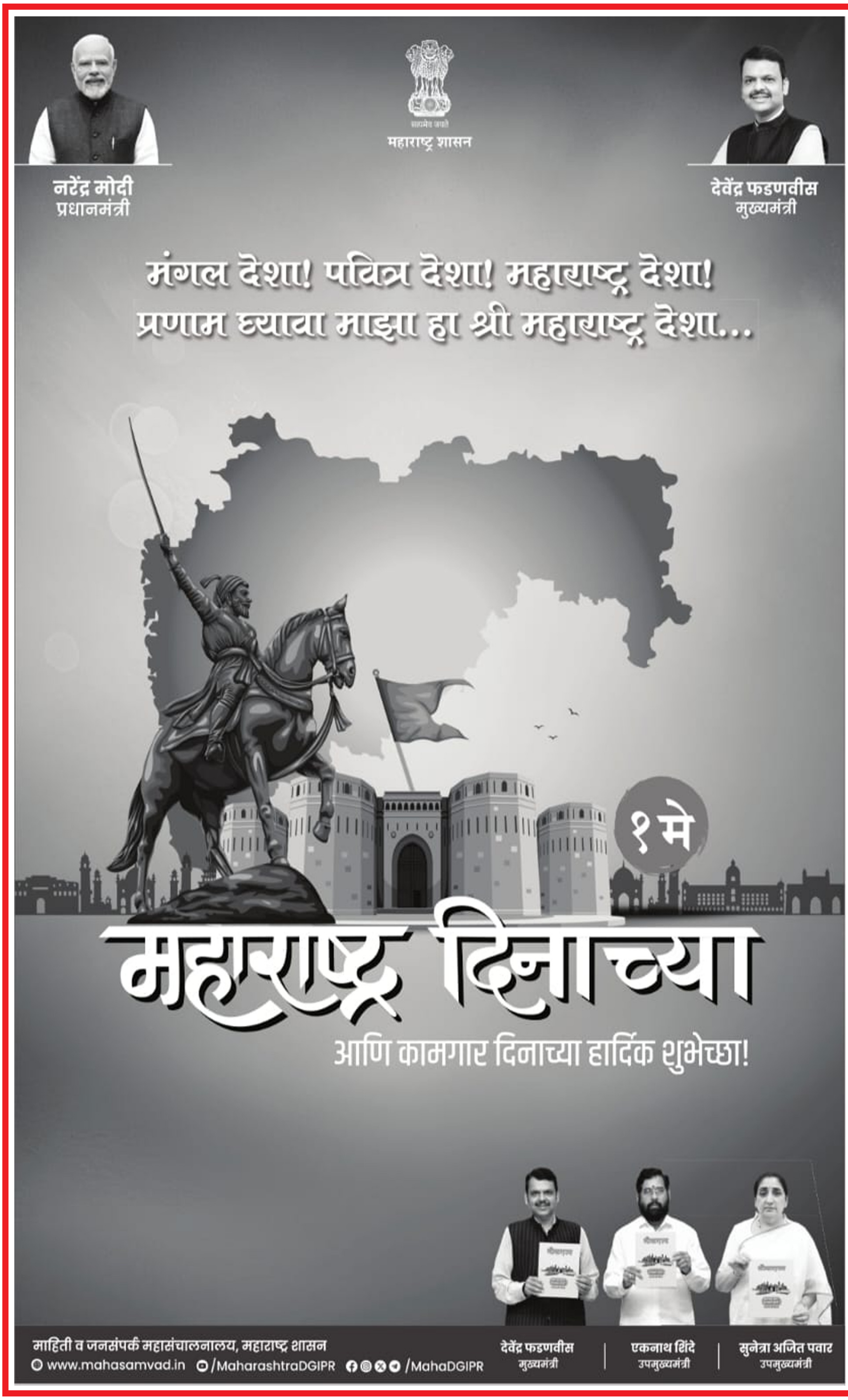

सीता बनकर वेदवती ने लिया रावण से बदला

ग़तांक से जारी- ऐसी प्रतिज्ञा वेदवती ने की. यह कहते वेदवती अग्नि में कूद पड़ी.तब अग्नि ने वेदवती को अपने पास छिपाकर, रावण के द्वारा सीता का अपहरण करते समय वेदवती को सीता से भी सुंदर बनाकर सीता के रूप में उसे रावण को सौंप दिया. वेदवती को अपनी पत्नी स्वाहा देवी के पास छोड़ दिया. रावण के साथ वेदवती ने लंका पहुँचकर रावण को मेरे हाथों से संहार करवाया. इस रूप में वेदवती ने रावण से अपना बदला ले लिया. फिर अग्नि के पास रहनेवाली सीता को मुझे सौंप दिया. स्वयं वेदवती उस समय ब्र्ह्म लोक चली गयी.

वहाँ पर महा तप किया. कुछ समय के बाद वही वेदवती पद्म में समाकर अवनि में आकाशराज को प्राप्त हुई. वही वेदवती पद्मावती के रूप में मुझे मोहित करके अपने आपको भूल गयी है.' इस रूप में श्रीनिवास ने वेदवती के पूर्व वृत्तांत और पद्मावती के जन्म के

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

बारे में वकुला को सुनाया. यह सुनकर बकुला ने स्वामी को देखकर कहा. 'हे देव ! महानुभाव! पहले मैंने अज्ञानी होकर आपको मनुष्य मात्र के रूप में देखा. आप तो साक्षात ब्र्ह्म हैं. आप ही ब्र्ह्म के पिता हैं. आप ही महानिर्वाण संधाता हैं. आप ही विष्णु हैं, आप ही रामचंद्र हैं, आप ही कृष्ण देव हैं, आप ही वेदात्म हैं, आप ही सर्वतोमुख हैं, आप ही कर्ता हैं, आप ही भोक्ता हैं, आप ही विश्व हैं, आप ही वराह देव और शैलाधिप हैं. हे

तोयज लोचन ! आपकी इस माया को बिना जाने अपने पुत्र के रूप में आपसे प्रेम किया. हे महात्मा! आप ही ईश्वर हैं, यह मैं जान नहीं पायी.' यह सुनकर विष्णु ने कहा. 'यहाँ पर आपने मेरी चोट को ठीक करके माँ के रूप में वात्सल्य दिया. आपका ऋण मैं कैसे चुका पाऊँगा. इसकी चिंता मुझे हो रही है.' कहते विष्णु ने वकुला पर अपनी माया को डालकर उसे वात्सल्य सद्बुद्धि को प्रदान करके फिर से इस रूप में कहा. 'हे माँ! तुम मेरा विवाह कराओ' नेह से उसी समय विवाह की बात चलाने के लिए कहा. तब वकुला देवी ने हरि की ओर देखकर 'हे पुत्र ! अब वह कन्या किस नगर में है. उस नगर के बारे में बताओ.' इस रूप में वकूला के पूछने पर हरि ने कहा.इसक े बाद मां बकुला ने राजा के पास पहुंचकर बात आगे बढ़ाई.

शेष अगले अंक में

ज़ीवन की खुशियां हमारे पास हैं लेकिन हम ढूंढते हैं सर्वत्र-पं.शिव गुरू महाराज

विदर्भ स्वाभिमान,6 मई

उन्हेल/अमरावती- जीवन में हर व्यक्ति के पास सुखों और खुशियों का भंडार परमात्मा ने दिया है लेकिन जब तक हमारा धन-सम्पत्ति का अहंकार और स्वयं को सबसे बेस्ट समझने की मानसिकता होती है तब तक हमें खुशी नहीं मिल सकती है. कहते हैं जब हम खाली होते हैं तो ही कुछ समा सकता है. यही सिद्धांत जिंदगी में होता है. जब तक हम प्रभु के लिए खाली नहीं होता है तब तक हम प्रभु से नहीं मिल पाते हैं और जब तक जीवन में प्रभु के रूप में जीवन में उत्तम विचार नहं आते हैं तब तक सदविचार,संतोष नहीं आता है.इस आशय का उपदेशपूर्ण प्रतिपादन राष्ट्रीय स्तर के शिव महापुराण, श्रीमद् भागवत कथा प्रवक्ता पं.शिव गुरू शर्मा महाराज ने किया.

विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि ईश्वर ने इस संसार को सुंदर बनाया है और हर मनुष्य के जीवन में खशियों के अनेक अवसर दिए हैं, लेकिन विडंबना यह है कि अक्सर

खुशियां हमारे पास होते हुए भी हम उन्हें पहचान नहीं पाते, उन्हें स्वीकार नहीं कर पाते.हमारा मन हमेशा जो नहीं है, उसी के पीछे भागता है. जो मिला है उसका आनंद लेने के बजाय, जो नहीं मिला उसका दुख मनाता है. यही कारण है कि खुशियां हमारे द्वार पर खड़ी रहती हैं, लेकिन हम अपने मन के दरवाजे बंद कर लेते हैं.

संतों ने कहा है-सुख बाहरी वस्तुओं में नहीं, मन की स्थिति में है.यदि मन संतुष्ट है, तो छोटी-सी बात भी आनंद देती है; और यदि मन अशांत है, तो बड़े से बड़ा वैभव भी खुशी नहीं दे सकता.हम अक्सर सोचते हैं कि जब बड़ा घर होगा, अधिक धन होगा, या मनचाही सफलता मिलेगी तब खुश होंगे. लेकिन सत्य यह है कि खुशी किसी मंजिल का नाम नहीं, बल्कि हर दिन के छोटे-छोटे पलों को जीने की कला है.सुबह की पहली किरण, अपनों का प्रेम, स्वस्थ शरीर, मित्रों का साथ ये सब ईश्वर की दी हुई खुशियां हैं. लेकिन हम इन्हें सामान्य समझकर अनदेखा कर देते हैं.जो मिला है उसके लिए धन्यवाद दीजिए.विचार ही हमारे सुख और दुःख का कारण बनते हैं.

घर की छत पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की सुविधा करें. भीषण गर्मी में उन्हें हमारी सर्वाधिक जरूरत है. सृष्टि हित में विदर्भ स्वाभिमान की विनम्र प्रार्थना है. इस माध्यम से पुण्य कमाने का सुअवसर मिल रहा है.

विदर्भ स्वाभिमान

108 श्रीमद् भागवत कथाएं कर युवाओं को संस्कारित करने का प्रयास

जन्मदिन 22 मई पर विशेष, समाजसेवी, दानशूर, आदिवासी, किसानों के कल्याण से मिलता है आनंद-लप्पीभैया

अमरावती- अमरावती शहर का नाम कई बातों के लिए सबसे ज्यादा चर्चित है. ऐसे ही एक व्यक्तित्व हैं समाजसेवी,धर्मसेवी, संघ के विचारों पर चलने वाले चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया. युवाओं को संस्कारीत करने के लिए 108 श्रीमद् भागवत कथाएं अपने खर्च से करवाने के संकल्प के साथ ही आदिवासी, किसान, गरीब छात्रों के जीवन में प्रकाश लाने का सदा प्रयास करते हैं. 22 मई को उनका जन्मदिन भी सेवाभाव दिवस के रूप में मनाया जाता है.

ज़ीवन में कुछ ही लोग ऐसे निर्मल, मददगार, किसी के दुख-सुख में तत्काल सहभागी करने वाले होते हैं, जिनका व्यक्तित्व बहुत बड़ा रहता है लेकिन उनकी विनम्रता उनके व्यक्तित्व से बड़ी रहती है. मूर्ति लहान,कीर्ति महान वाले ऐसे ही लोगों में शामिल हैं शहर ही नहीं तो राजस्थानी समाज के देश की शान और राष्ट्रधर्म तथा मानव धर्म को जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य मानने वाले समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया. उनके व्यक्तित्व को किसी एक विधा में जोड़ना भी संभव नहीं है. बेहतरीन समाजसेवी, संवेदनशील व्यक्ति, माता-पिता के आदर्श बेटे, मधुसूदन ग्रुप के मुखिया, राज्य भूषण के साथ ही दर्जनों पुरस्कारों को हासिल करने के बाद भी पैर जमीन पर रहने और हर व्यक्ति को आत्मीयता प्रदान कर सुकून देने वाले लप्पीभैया का 22 मई को जन्मदिन है. इसे जन्मदिन की बजाय सेवादिन कहना अधिक प्रासंगिक होगा. हर अच्छे काम में आंख बंद कर मदद करने का उनका जज्बा लाखों लोगों के दिलों में उन्हें जगह देता है. विदर्भ स्वाभिमान की सकारात्मक पत्रकारिता को जीभर साथ देने और प्रोत्साहित करने वाले व्यक्तित्व हैं.

धन का सही उपयोग जन की सेवा में ही रहने की बात को मानने वाले और उस पर ही अमल करने वाले समाजसेवी व्यक्ति के रूप में चंद्रकुमारउर्फ लप्पीभैया जाजोदिया हैं. स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक जहां उनका समाजसेवा का दायरा चलता हैं, वहीं वे जितने सम्पन्न व्यवसायी हैं, उससे भी कई गुना बेहतरीन संजीदा और भावनाओं को समझने वाले व्यक्ति हैं. आदिवासी बच्चों की स्कूल गोद लेना हो, गरीबों की मदद हो, किसानों की सहायता, गरीब बेटियों की मदद वे सदैव अग्रणी रहते हैं. यही कारण है कि लाखों मित्र परिवार उन्होंने तैयार किया है.

धनवान होना आसान है. लेकिन अपनी मेहनत की कमाई से सामाजिक कामों में योगदान देना बड़ी बात होती है. अमरावती में अमीरों की कमी नहीं है. लेकिन सम्पन्नता में भी विनम्रता की जिस तरह की शालीनता राष्ट्रीय स्तर के दानशूर और समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया में है, वह आज के दौर में कम दिखाई देती है. माता-पिता की सेवा करनेवाले को किसी तीर्थ या धाम में जाने की जरुरत नहीं रहती है.उसकी इस सेवा से भगवान स्वयं ही खुश होते हैं और उसकी हर चाहत को पूरा करते हैं.भैया को अमरावती शहर को लेकर अपार गर्व रहता है.यही कारण है कि मुंबई में व्यवसाय स्थापित करने के बाद भी अमरावती से उनका अत्याधिक लगाव रहता है. भैया के मुताबिक शहर ने उन्हें बहुत कुछ दिया है, इसलिए उसे लौटाने का थोड़ा-बहुत प्रयास करते हैं. उनके कार्यालय में किसी मंत्री या सांसद की तरह ही भीड़ उनकी लोकप्रियता तथा सभी की मदद करने वाली दरियादिली की परिचायक है.

जाजोदिया परिवार में धर्म,कर्म,साहित्य प्रेम की कड़ी उनके पिता स्व.मधूसूदनजी जाजोदिया के समय से ही चल रही है. संत-महात्माओं के आगमन से उनका घर सदैव पावन हुआ है. पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए संतों का आशिर्वाद सदैव मिलता है. ज्ञानशांति उपवन में बुर्जुग माता-पिता के लिए आयोजित सत्संग में पूज्य शिवगुरू शर्मा महाराज का आशिर्वाद लिया और धर्म पर चर्चा की. इस समय उनकी मुंहबोली बहन गौरी अय्यर और गणेश अय्यर भी उपस्थित थे. उनके मुताबिक हमारी सम्पन्नता का लाभ अगर हम किसी को दे सकते हैं तो इससे बड़ा पुण्य का काम और क्या हो सकता है.अपना स्वयं का अनुभव बताते हुए उन्होंने कहा कि आज वे जो कुछ भी हैं, माता-पिता का आशिर्वाद है. अमरावती की शान के रूप में वे राष्ट्रीय स्तर पर व्यवसाय और सेवाभाव दोनों ही क्षेत्रों में नाम चमका रहे हैं.

बहुगुणी व्यक्तित्व लप्पीभैया को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और शहर का सम्मान राष्ट्रीय स्तर पर अपने कार्यों से बढ़ाते रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान

विदर्भ स्वाभिमान

संवाददाता चाहिए

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में राष्ट्र धर्म और मानव धर्म को समर्पित होकर पत्रकारिता में सकारात्मकता को बढ़ाने का प्रयास करने वाले विदर्भ स्वाभिमान को मध्य प्रदेश के विभिन्न बड़े महानगरों में संवाददाताओं की नियुक्ती करनी है. सामाजिक, धार्मिक कार्य में उत्साह रखने वाले युवक संपर्क करें. अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान अखबार

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8208407139

www.vidarbhswabhiman.com

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

विदर्भ स्वाभिमान

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे   प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

नयन आईस गोला ग्राहकों के दिलों में बस गया

बडनेरा रोड पर ग्राहकों का लगता है मेला, विश्वसनीयता और गुणवत्ता में रहती है सदा अग्रसर

विदर्भ स्वाभिमान, 6 मई

अमरावती- अमरावती शहर का नाम कई बातों के लिए सुख्यात है. इसमें से एक है बडनेरा रोड पर स्थित नयन आईस गोला कार्नर. बेहतरीन गुणवत्ता के अलावा बेजोड़ स्वाद के कारण यह न केवल अमरावती बल्कि लाखों लोगों का सबसे करीबी चहेता बना हुआ है. शाम के समय यहां मेला लगने का नजारा जहां इसकी गुणवत्ता क़े साथ ही लोगों के विश्वास के बलबूते यह न केवल अमरावती बल्कि समूचे विदर्भ में प्रसिद्ध हो गया है. इसकी संचालिका कमलाताई बानेवार, पुत्र संतोष के साथ ही बहुओं और परिवार के सदस्यों का योगदान इसे मिलता है.ग्राहकों के साथ ही विनम्रता वाला व्यवहार तथा सभी के मामले में अपनेपन का अनुभव यहां आने वाले हर ग्राहक को आता है. गर्मी के चार महीने में सुबह से लेकर रात्रि 11 बजे तक यहां ग्राहकों की भीड़ रहती है. स्थिति यह होती है कि ग्राहकों को यातायात में बाधा नहीं बनने देने के लिए सुरक्षा गार्ड की नियुक्ती करनी पड़ती है. संतोष बानेवार बताते हैं कि मां की मेहनत तथा परिवार के साथ के कारण ग्राहकों का अपार विश्वास नयन बर्फ गोला को मिला है. ग्राहकों के प्रेम को सबसे बड़ी ताकत बताते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.

मो.9423426199

वाढदिवसाच्या आभाळभर शुभेच्छा.

आपल्या सर्व इच्छा आकांक्षा,
इच्छित मनोकामना पूर्ण होवोत आणि
आपणास निरामय आरोग्य लाभो
हीच ईश्वर चरणी प्रार्थना.

शुभेच्छुक-विदर्भ स्वाभिमान परिवार,अमरावती

विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

विदर्भ स्वाभिमान – आजादी का अमृत महोत्सव – आचार-विचार वाला अखबार

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश में तेजी से लोकप्रिय हो रहे राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है. मेहनती ही संपर्क करें.

- संपर्क -

विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय

छाया कॉलोनी,अकोली रोड, अमरावती.

मो. 9423426199, 8855019189

शिक्षा क्षेत्र के भूषण,बहुगुणी सेवाभावी व्यक्तित्व हैं प्रा. मोहन पुरोहित

जन्मदिन 7 मई पर विशेष, विद्वता में विनम्रता है जिनकी खूबी

शहर के सुख्यात जीवन में कुछ लोगों का स्वभाव, उसका आपके मन पर प्रभाव काफी अलग होता है. गणित के आदर्श प्राध्यापक रहे मोहन पुरोहित सर भी ऐसे ही व्यक्ति हैं. जिनकी विद्वता में विनम्रता निश्चित ही सीख लेने जैसी है. अंबापेठ क्षेत्र निवासी प्रा.पुरोहित आदर्श पुत्र, पिता के साथ ही सभी रिश्तों में मानवप्रेमी रहे हैं. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान की हार्दिक शुभकामनाएं.

जीवन में धन दौलत कमाई जा सकती है लेकिन खोया गया विश्वास,अपनापन कभी नहीं कमाया जा सकता है. इसलिए सदैव कोशिश यह करें कि हम विश्वास की कड़ी को टूटने नहीं देना चाहिए.अच्छी सोच के साथ किया गया काम कभी असफल नहीं होता है. इसलिए अपने मन को साक्षी रखते हुए कोई भी काम करने का प्रयास करें. इससे निश्चित तौर पर हम लोगों का प्यार पाने के साथ ही विश्वास जीतने में भी कामयाब रहेंगे. जीवन में जितना हो सके, सदैव अच्छा करने की कोशिश करनी चाहिए. अगर अच्छा नहीं हो तो बुरा करने का प्रयास कभी नहीं करना चाहिए. इस आशय की सीख विदर्भ के शिक्षा क्षेत्र में अग्रणी ब्रजलाल

बियाणी महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राध्यापक और सामाजिक, शैक्षिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहने वाले प्रा. मोहन पुरोहित ने दी है.आदर्श गणित प्राध्यापक का व्यक्तित्व केवल अंकों और सूत्रों तक सीमित नहीं होता, बल्कि वह विद्यार्थियों के जीवन को दिशा देने वाला प्रेरणास्रोत होता है. एक आदर्श गणित प्राध्यापक में ज्ञान, धैर्य, अनुशासन और संवेदनशीलता का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है.गणित जैसे जटिल विषय को सरल और रोचक बनाकर विद्यार्थियों के मन में सीखने की जिज्ञासा जगाना उसकी सबसे बड़ी विशेषता होती है. वह केवल पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि विद्यार्थियों में तार्किक सोच, समस्या समाधान की क्षमता और आत्मविश्वास का विकास करता है.एक आदर्श गणित प्राध्यापक सदैव समयनिष्ठ, अनुशासित और अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित होता है. वह हर छात्र की क्षमता को पहचानकर उसे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है. कमजोर विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय देकर उनकी कठिनाइयों को दूर करना उसकी संवेदनशीलता को दर्शाता है.उसका व्यक्तित्व विनम्रता और सादगी से परिपूर्ण होता है. वह अपने व्यवहार से विद्यार्थियों को यह सिखाता है कि जीवन में सफलता केवल ज्ञान से नहीं, बल्कि अच्छे संस्कार और सकारात्मक दृष्टिकोण से भी मिलती है.वास्तव में, आदर्श गणित प्राध्यापक केवल शिक्षक नहीं होता, वह विद्यार्थियों के भविष्य का निर्माता, मार्गदर्शक और प्रेरणादायक व्यक्तित्व होता है, जिसकी शिक्षा और सीख जीवनभर याद रहती है. प्रा. मोहन पुरोहित सर का 7 मई को जन्मदिन है. सर को जन्मदिन की करोड़ों शुभकामनाएं.वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

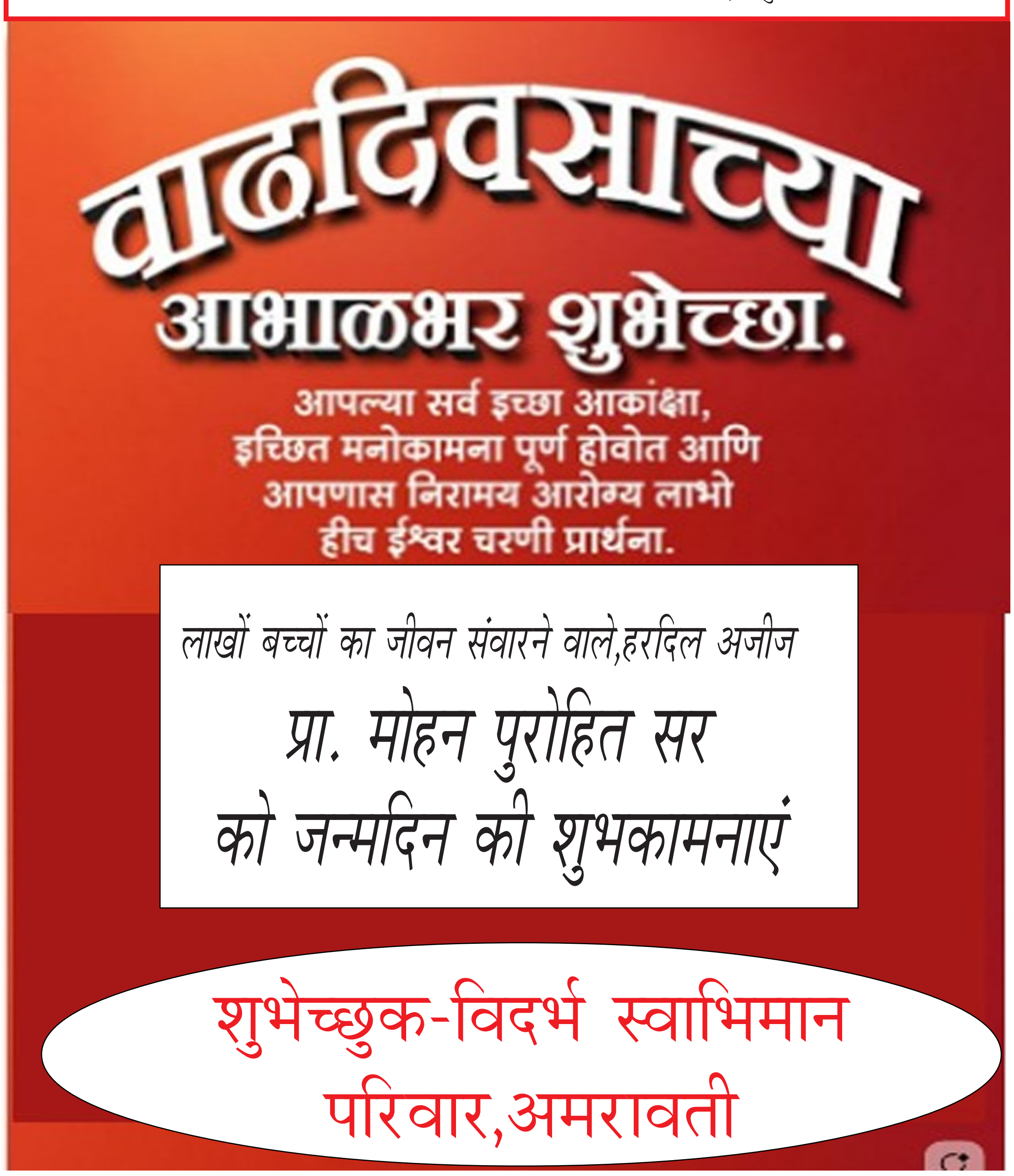

रक्तदान महायौद्धा डा.चंद्रभान दारा

शहर ही नहीं तो बालाजी ब्लड बैंक आज रक्तदाता सेवा के क्षेत्र में अग्रणी है. उसके प्रमुख डॉ.चंद्रभान दारा ने उसे आसमानी ऊंचाई तक पहुंचाया है. ज़ीवन में बहुत कम लोगों के भाग्य में हर चीज सही मिलती है, श्री बालाजी ब्लड बैंड के संचालक और रक्तदान के क्षेत्र में अमरावती में क्रांति करने वाले डॉ. चंद्रभान दारा ऐसे ही विरले व्यक्ति हैं. प्रभु की भक्ति के साथ माता-पिता की सेवा तथा आदर्श परिवार के मुखिया के रूप में उनकी उपलब्धियां शायद कई पुरस्कारों से बड़ी हैं. उनका 7 मई को जन्मदिन है, इस उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान परिवार द्वारा उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं.परिवार में बेटा-बेटी को खुश देखकर निश्चित तौर पर मन प्रसन्न होता है, मनीष दारा के साथ डॉ. रवि जैसे बेटे जिस पिता को हों, वह निश्चित तौर पर स्वयं को गौरवान्वित ही समझना चाहिए. बेटी दिल्ली सरकार में वरिष्ठ पद पर रहने के बाद भी माता-पिता तथा परिवार को कितना चाहती है, इसका अनुभव गत वर्ष उनके एक समारोह में उनकी उपस्थिती में आया था.

अमरावती शहर ही नहीं तो रक्तदान के क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से सेवारत डा.चंद्रभान दारा जितने बेहतरीन डाक्टर हैं, उतने ही बेहतरीन इन्सान हैं. अमरावती में रक्तदान के लिए जहां उन्होंने लोगों को प्रोत्साहित किया है, वहीं दूसरी ओर सदैव सेवाभाव से काम करते हुए सेवाभाव का गौरव बढ़ाया है. स्वभाव से जहां उनमें सादगी दिखाई देती हैं, वहीं मुंबई के बाद विदर्भ में पहली रक्तपेढ़ी और रक्तघटक प्रयोगशाला की स्थापना कर मानवता की बहुत बड़ी सेवा का कार्य भी किया है. 15 अगस्त 1996 को उन्होंने रक्त संकलन और रक्त के घटक की जांच कर मरीजों को जीवनदान देने के उद्देश्य से अंबापेठ में बालाजी ब्लड बैंक एवं ब्लड कम्पोनेंट लैब की स्थापना

की. डा.दारा विदर्भ में रक्त प्रौद्योगीकी के पितामह के रूप में स्थान रखते हैं. इतना ही नहीं तो अभी तक लाखों मरीजों को रक्त की आपूर्ति करते हुए जीवनदान देने का पवित्र कार्य डा.चंद्रभान दारा ने किया है. अमरावती में लगभग 5 दशक से वे अपनी बेहतरीन सेवाएं दें रहे हैं. पिता के ही कदमों पर चलते हुए पुत्र मनीष दारा तथा डा.रवि दारा चल रहे हैं.

डॉ.रवि दारा जहां महाराष्ट्र में पहले ब्लड ट्रांसफ्यूजन के एमडी हैं, वहीं लायन्स सहित विभिन्न समाजसेवी संगठनों से जुड़कर मनीष दारा पिता का नाम रोशन कर रहे हैं. डा.चंद्रभान दारा संवेदनशील व्यक्ति हैं. रक्त संकलन के क्षेत्र में 5 दशक से सेवाएं दें रहे हैं. 1975 से 1996 तक उन्होंने जिला सामान्य अस्पताल इर्विन में रक्तपेढ़ी के प्रमुख के रूप में अपनी सेवाएं दी.वहां सेवा के दौरान रक्तदान को लेकर बैठी भ्रांतियों को दूर करते हुए युवाओं को रक्तदान के लिए जहां प्रेरित किया, वहीं इसके लिए उन्हें अभी तक कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं. 1990 में रक्तदान के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए तत्कालीन संभागीय आयुक्त सुधाकर जोशी एवं स्वास्थ्य संचालक डा.बाल पांडे ने उन्हें सम्मानित किया.मनीष दारा पिता के सेवाभाव को आगे बढ़ा रहे हैं. डॉ.चंद्रभान दारा के जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान की मंगलयम हार्दिक शुभकामनाएं.आप स्वस्थ रहें,मस्त रहें, यही कामना गोविंदा के चरणों में करते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क.

श्रीमद् भागवत कथा क़ो लेकर धौरहरा में अपार भक्तिभाव

पं.अवधनारायण शुक्ल सुनाएंगे कथा, समस्त दुबे परिवार क़े साथ गांव में अपार खुशी का माहौल

विदर्भ स्वाभिमान,6 मई

पट्टी/धौरहरा- ज़ीवन में प्रभु की भक्ति और कृपा अगर आप पर होती है तो निश्चित तौर पर यह प्रभु की असीम कृपा है. दुबे परिवार द्वारा 14 से 21 मई तक आयोजित श्रीमद् भागवत कथा की तैयारी तेजी से हो रही है. मंडप निर्माण का कार्य 9 मई से आरंभ होने वाला है. कथा को लेकर भक्तों के साथ ही न केवल धौरहहरा बल्कि तिबीपुर, तिवारीपट्टी और आसपास के दर्जनों गांवों में उत्साह व्याप्त है. कथा के मुख्य यजमान और चारों धाम की यात्रा के साथ ही भगवान जगन्नाथ की यात्रा पूरी करने वाले तहसील पट्टी में स्टैम्प विक्रेता पं.राधेश्याम दुबे तथा रामप्रसाद दुबे के कुशल नेतृत्व में तीन पीढ़ियों के सहयोग से यह भव्य कथा हो रही है.

क़हते हैं कि बड़े भाग्य से मानव जीवन मिलता है, सौभाग्य से प्रभु की सेवा और भक्ति का योग मिलता है. लेकिन इससे भी परम भाग्य श्रीराम कथा अथवा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन करने का पुण्य सबसे अधिक महान होता है. दादा-बड़ों के आशिर्वाद से दलापांडे धौरहरा निवासी समस्त दुबे परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से यह सौभाग्य मिला है. इसकी तैयारियां तेजी से की जा रही हैं. यह तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं. कथा को लेकर समूचे गांव में उत्साह है. हमारे परिवार के छोटे चाचा पं.राधेश्याम दुबे ने पवित्र जगन्नाथ यात्रा पूरी करने का सौभाग्य प्राप्त किया.

इस उपलक्ष्य में दलापांडे के धौरहरा निवासी तथा विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के साथ आगे बढ़ने वाले धार्मिक, सेवाभावी दुबे परिवार द्वारा मई महीने में गांव में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा को लेकर समस्त ग्रामवासियों में उत्साह व्याप्त है.कथा को अभूतपूर्व बनाने के लिए दुबे परिवार की तीन पीढ़ियों द्वारा जी-जान से प्रयास किया जा रहा है. समस्त गांववासियों का भी सहयोग जहां मिल रहा है, वहीं कथा प्रवक्ता पंडित अवधनारायण शुक्ला की कथा सुनने का बेसब्री से इंतजार गांववासियों द्वारा भी किया जा रहा है. दुबे परिवार के अलावा ग्रामवासी भी इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दे रहे हैं. कथा के दौरान विभिन्न सामाजिक उपक्रमों का भी आयोजन किया गया है. गांव ही नहीं तो तहसील पट्टी तथा जिले में सुसंस्कारी तथा संयुक्त परिवार के आदर्श परिवार के रूप में दुबे परिवार को पहचाना जाता है. विभिन्न क्षेत्रों में स्थान बनाने वाले शिवप्रसाद दुबे, राधेश्याम दुबे परिवार द्वारा गांववासियों को श्रद्धा तथा भक्तिभाव का मौका उपलब्ध कराया जा रहा है.

दलापांडे का धौरहरा के दुबान में आगामी 14 मई से 21 मई तक श्रीमद् भागवत कथा होगी. इसमें सुख्यात विद्वान अवधनारायण शक्ला उर्फ वियोगी महाराज भक्तों को कथा का रसपान कराएंगे. कथा की शुरुवात 14 मई को महिलाओं की कलश यात्रा से होगा.धौरहरा में दबान नामक क्षेत्र के रूप में सुख्यात क्षेत्र में धार्मिक आस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 14 मई से श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह सात दिवसीय कथा कार्यक्रम प्रतिदिन प्रातः से सायंकाल तक श्रद्धालुओं के लिए आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रसिद्ध कथा वाचक पं.अवधनारायण शुक्ला द्वारा श्रीमद् भागवत महापुराण की कथा का रसपान कराया जाएगा.

गांव ही नहीं तो आसपास के विभिन्न गांवों के भक्तों से इसका लाभ लेने का आग्रह धौरहरा के साथ ही विभिन्नि शहरों में रहने वाले दुबे परिवार ने किया है. सफलतार्थ श्रीमती शिवपतीदेवी दुबे,शिवप्रसाद दुबे, राधेश्याम दुबे, राजेन्द्र प्रसाद दुबे, ज़गदीश दुबे, सुभाष दुबे, राजेश दुबे, सुनील दुबे, सर्वेश दुबे, सत्यप्रकाश दुबे सहित सभी दुबे परिवार के सदस्यों द्वारा प्रयास किया जा रहा है.सप्ताह भर तक गांव में श्रीमद् भागवत की कथा से पूरा क्षेत्र ही श्रीकृष्णमय होने वाला है. क़था प्रवक्ता पं.अवध नारायण शुक्ल उर्फ वियोगी महाराज भी जाने-माने विद्वान हैं और अभी तक उनकी 500 से अधिक कथाएं हो चुकी हैं. इन कथाओं के माध्यम से मानव धर्म तथा राष्ट्रधर्म का कार्य होता है. इस मामले में उनकी कथाएं उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में होती हैं. भागवत कथा का लाभ लेने का आग्रह सभी भक्ता से किया है.

पुण्यात्माओं का आशिर्वाद

भक्तिभाव,सेवाभाव के साथ ही आदर्श संस्कारी दुबे परिवार पर बुजुर्गो का आशिर्वाद बरसा है कि यह मौका परिवार को मिला है. इसके लिए दादाजी स्व.पारसनाथजी दुबे,स्व.शिरताजी दुबे,बाबूजी स्व.जमुनाप्रसादजी, परिवार के त्याग की मूर्ति स्व.गयाप्रसादजी, चाची स्व.द्रोपदीदेवी, स्व. निर्मलादेवी के पावन आशिर्वाद से यह श्रीमद् भागवत कथा होने जा रही है.इसका नेतृत्व पंडित शिवप्रसाद दुबे, राधेश्यामजी दुबे के अलावा तीसरी पीढ़ी के सदस्यों द्वारा किया जा रहा है. कथा के माध्यम से दुबे परिवार के गांव के साथ देशभर के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले परिवार के सदस्यों के साथ ही सभी बेटियां और पूरा परिवार जुटने वाला है.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा
शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.
--संपर्क--
प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट
संजय एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें. मानवता की सेवा तथा राष्ट्रधर्म को समर्पित तथा पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को महत्व देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को मदद तथा आपके विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं.
विदर्भ स्वाभिमान
संपर्क
9423426199/8855019189